पारिस्थितिकी तन्त्र एवं मानव के परिवर्तनशील

पारिस्थितिकी तन्त्र का अर्थ एवं परिभाषा

सम्पुर्ण पृथ्वी अर्थात स्थल, जल एवं वायु मंण्डल और इस पर निवास करने वाले जीव एक विशिष्ठ चक्र अथवा प्रणाली या तन्त्र मे परिचालित होते रहते है। अपितु पर्यावरण को भी स्वचालित करते है। इस प्रकार रचना एवं कार्य की दृष्टि से जीव समुदाय एवं वातावरण एक तन्त्र के रुप मे कार्य करते है।

इकोसिस्टम अथवा पारिस्थितिक तन्त्र के नाम से सम्बोधित किया जाता है। प्रकृति स्वयं एक विस्तृत एवं विशाल पारिस्थितिक तन्त्र है। जिसे जीवमण्डल के नाम से जाना जाता है। सम्पुर्ण जीव समुदाय एवं पर्यावरण के इस अन्तर्सम्बंध को इकोसिस्टम का नाम सर्वप्रथम ए० जी० टेन्सले ने 1935 मे दिया यह दो शब्दो से बना है। अर्थात (eco) जिसका अर्थ है। पर्यावरण जो ग्रीक शब्द oikes का पर्याय है। जिसका अर्थ है एक घर और दूसरा System जिसका अर्थ है।

स्ट्रेलर ने पारिस्थितिक तन्त्र की व्याख्या करते हुए लिखा है। पारिस्थितिक तन्त्र उन समस्त घटको का समूह है। जो जीवो का एक समूह की क्रिया प्रतिक्रिया मे योग देते है वे आगे लिखते है। भूगोलवेत्ताओं के लिए पारिस्थितिक तन्त्र उन भौतिक दशाओ के संगठन का भाग है।

पारिस्थितिकी तन्त्र और मानव

मानव भी पारिस्थितिकी तन्त्र का एक आवश्यक अंग है। जब कभी मानव ने प्रकृति के संतुलन को बिगाड़ा है। अथवा जीव जगत जाल मे बाधा उत्पन्न की है तो परिणाम बहुत खराब हुआ है। आन्ध्र प्रदेश के कुछ व्यापारियो ने अपने तात्कालिक लाभ हेतु जगली सुअरो और हिरणो की बड़ी संख्या मे पकड़ना प्रारम्भ कर दिया इन जानवरो का मांस शेर का प्राकृतिक भोजन है। जब इनकी संख्या कम होने लगी और शेर को भोजन प्राप्त करने मे कठिनाईयां उत्पन्न हुई तो वे मवेशियो को उठाकर जंगल मे ले जाने लगे। मनुष्यो पर भी उन्होने धावा बोलना शुरु कर दिया जिससे वहाँ के लोगो मे आतंक व्याप्त होगया इसके विपरीत मध्य प्रदेश के जगलो मे शिकारी लोग बड़ी संख्या मे शेर का शिकार करने लगे जिससे इनमे कमी होने लगी। इन जानवरो ने जंगलो के चारो ओर खेतो की फसलों की हानि पहुचाना प्रारम्भ हो गया।

नाशी जीव मास्क – का प्रयोग करके पारिस्थितिक तन्त्र को प्रभावित किया है। अधिकांश नाशक जीवो के प्राकृतिक शत्रु होते है। नाशकीटमार के उपयोग से नाशक जीव तथा प्राकृतिक शत्रु दोनो ही मर जाते है। अब यादि नाशक जीव फिर से पनपने लगे तो इनके संहार हेतु है।

प्राचार्य 20/09/22
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया